

न्यायालय अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, अजमेर
(निर्णय बर्डजलास श्री सत्तार खान, आर0ए0एस0 अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, अजमेर)

अपील संख्या :- 9ए/2010/भीलवाड़ा (2010/00011)

1. रोशनअली पुत्र सुलेमान सोरगर
2. बाबू मोहम्मद पुत्र सुलेमान सोरगर
निवासी करेडा, तहसील माण्डल, जिला भीलवाड़ा ।

अपीलांटस

बनाम

1. राजू पुत्र अमदचन्द्र जाति माली,
2. मु0 सविता पत्नी अमरचन्द्र जाति माली,
निवासी करेडा, तह0 माण्डल, जिला भीलवाड़ा ।
3. अतिरिक्त तहसीलदार, करेडा, तहसील माण्डल, जिला भीलवाड़ा ।

रेस्पोंडेंटस

अपील अंतर्गत धारा 76 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 विरुद्ध निर्णय विद्वान उपखण्ड अधिकारी, माण्डल, जिला भीलवाड़ा दिनांक 22.12.2009 अपील संख्या 15/2005.

उपस्थित:-

1. श्री मदनलाल गुर्जर, वकील अपीलांट ।
2. रेस्पोंडेंटस अनुपस्थित ।



निर्णय

दिनांक:- 26.11.2019

अपीलांटस ने यह अपील विद्वान उपखण्ड अधिकारी, माण्डल, जिला भीलवाड़ा द्वारा पारित निर्णय दिनांक 22.12.2009 (संक्षेप में अपीलाधीन निर्णय) से अप्रसन्न होकर राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 76 के अन्तर्गत इस न्यायालय में प्रस्तुत की हैं। xx

प्रकरण में संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि मौजा करेडा, तहसील माण्डल जिला भीलवाड़ा में अवस्थित आराजी ख0नं0 4810 रकबा 5 बीघा 9 बिस्वा, ख0नं0 8316/4921 रकबा 3 बीघा 1 बिस्वा कुल कित्ता 2 रकबा 8 बीघा 10 बिस्वा जो पैमा पिता माना बागडी (अनु0 जाति) के नाम राजस्व रिकार्ड में अंकन थी। करीब 35 वर्ष पूर्व उक्त आराजीयात को पैमा पिता माना बागडी से अपीलांटस के पिता ने विक्रय पत्र से खरीद किया तभी से अपीलांटस के पिता के जीवनकाल में अपीलांटस के पिता का

Kai L
अतिरिक्त संभागीय आयुक्त
अजमेर

कब्जा काशत रहा तथा अपीलांटस के पिता के देहान्त के बाद अपीलांटस काविज होकर काशत करते आ रहे हैं। xx

- 2- रेस्पोंस सं 1 व 2 जो कि मोजा करेडा के अमरचन्द्र बागडी (माली) के पुत्र व पत्नी हैं ने पटवारी हल्का से मिलकर षडयंत्र रचकर एक शपथ पत्र तैयार कर अपने आपको मृतक पेमा पिता माना बागडी का पुत्र व पत्नी होना कथन कर राजस्व अभियान के दौरान प्रस्तुत किया। उप तहसीलदार, करेडा ने शपथ पत्र पर बिना जांच किये पटवारी हल्का के कथनों पर विश्वास कर शपथ को सही मानते हुए विवादग्रस्त आराजी का नामान्तरकरण संख्या 1331 दिनांक 20.08.2005 को रेस्पोंस सं 1 व 2 के नाम रेस्पोंस सं 1 को पेमा का पुत्र व रेस्पोंस सं 2 को पेमा की पत्नी मानकर अंकित कर स्वीकार कर लिया। xx
 - 3- अपीलांटस को नामान्तरकरण संख्या 1331 दिनांक 20.08.2005 की जानकारी होने पर अपीलांटस ने उपखण्ड अधिकारी, मालपुर जिला भीलवाडा के यहां धारा 5 मियाद अधिनियम के प्रार्थना पत्र सहित अपील प्रस्तुत की जो उपखण्ड अधिकारी ने प्रस्तुत दस्तावेजात को नजर अन्दाज कर अपने निर्णय दिनांक 22.12.2009 से अपील को मियाद बाहर मानकर व गुणावगुण पर निरस्त कर दिया। अधीन्याया के इस आदेश से अप्रसन्न होकर अपीलांट ने यह अपील इस न्यायालय में प्रस्तुत की है।
 - 4- अपील दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंस को नोटिस जारी किये गये। अधीन्यायालय का रिकार्ड प्राप्त होने तथा रेस्पोंस के अनुपस्थित रहने से प्रकरण में विद्वान अभिभाषक अपीलांट की एकपक्षीय वहस सुनी गई। xx
 - 5- अपीलान्ट के विद्वान अभिभाषक ने दौरान वहस अपीलमीमों में उल्लेखित तथ्यों की ताईद करते हुए कथन किया कि अधीन्याया ने अपील को मियाद के बिन्दु पर निरस्त कर अपने क्षेत्राधिकार का दुरुपयोग किया है। अपीलांटस द्वारा प्रस्तुत धारा 5 मियाद अधिनियम के प्रार्थना पत्र व शपथ पत्र से साबित था कि नामान्तरकरण संख्या 1331 दिनांक 20.08.2005 अपीलांटस को बिना सुने नोटिस दिये व बिना कब्जे की जांच किये राजस्व अभियान के दौरान स्वीकार किया गया। राजस्व अभियान के दौरान रेस्पोंस सं 2 द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के आधार पर नामान्तरकरण स्वीकार किये जाने से अपीलांटस को आदेश की जानकारी समय पर नहीं हो सकी। जानकारी होते ही अपीलांटस ने अपील प्रस्तुत की है, ऐसी स्थिति में मियाद के बिन्दु पर अपील को निरस्त नहीं किया जा सकता। विलम्ब को क्षमा किये जाने के सद्भाविक कारण होते हुए मियाद के बिन्दु पर अपील निरस्त कर भारी त्रुटि की है। xx
- अधीन्याया ने इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया कि जब अपील को मियाद के बिन्दु पर निरस्त कर दिया था तो गुणावगुण पर निर्णय पारित करने का अधिकार नहीं था। गुणावगुण पर अपील को निर्णित किये जाने से एक प्रकार से अपील अन्दर मियाद शुमार मानी जायेगी। अधीन्याया ने इस महत्वपूर्ण बिन्दु पर ध्यान नहीं दिया कि रेस्पोंस सं 1 राजू मृतक पैमा पिता माना बागडी का पुत्र एवं ना ही रेस्पोंस सं 2 पेमा पिता माना बागडी



अतिरिक्त संभागीय आयुक्त
अजमेर

की अपने आपको दस्तावेजी साक्ष्य से पत्नी सिद्ध कर पायी थी। अधी०न्याया० रेस्पो०सं० 1 एवं 2 द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र एवं सभी दस्तावेजी साक्ष्य को नजरअन्दाज कर अपील को निर्णित किया है, जो निर्णय अवैधानिक व पूर्णतया क्षेत्राधिकार के बाहर है। रेस्पो सं० 1 व 2 का विवादग्रस्त नामान्तरकरण में लिप्त आराजीयात पर कब्जा नहीं होने से कब्जे रहित रेस्पो० के पक्ष में नामान्तरकरण स्वीकार नहीं किया जा सकता था। समस्त कार्यवाही राजस्व अभियान के दौरान रेस्पो० सं० 2 के शपथ पत्र के आधार पर की गई है, जो जल्दबाजी में बिना जांच किये ही आनन-फानन में की गई है, जो निरस्त किये जाने योग्य है।

7- अभिभाषक अपीलांत ने अपनी बहस में आगे कथन किया कि अधी०न्याया० के समक्ष अपीलांत द्वारा रेस्पो०सं० 1 व 2 के अमरचन्द्र के पुत्र व पत्नी होने बाबत साक्ष्य प्रस्तुत किये व सभी सरकारी दस्तावेज होने से उन पर संदेह नहीं किया जा सकता व पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर नामान्तरकरण को निरस्त कर प्रकरण में जांच कर निर्णय पारित करने हेतु तहसीलदार को लौटा देना चाहिए था लेकिन अधी०न्याया० ने दस्तावेजी साक्ष्य को नजरअन्दाज कर सरसरी व कयासी आधारों पर अपील को निरस्त कर दिया। अपील के खण्डन में अधी०न्याया० के समक्ष दस्तावेजी साक्ष्य ही उपलब्ध नहीं थे तो अधी०न्याया० को दस्तावेजी साक्ष्य के अलावा गुणावगुण पर निर्णय पारित करने का अधिकार अधी०न्याया० को नहीं था। अतः अपील अपीलांत स्वीकार कर अधी०न्याया० का निर्णय दिनांक 22.12.2009 को निरस्त किया जावे। विद्वान वकील अपी० ने अपने कथनों के समर्थन में आर०एल०डब्ल्यू० 1997 (1) पेज 227 न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किये।



8- हमने पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात एवं आधार अभिलेखों का अवलोकन किया एवं अभिभाषक अपीलांत की एक पक्षीय बहस पर मनन किया। प्रस्तुत प्रकरण में गुणावगुण पर पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात एवं अधी०न्याया० के निर्णय का अवलोकन किया गया। अधी०न्याया० के निर्णय के अवलोकन से स्पष्ट है कि अधी०न्याया० ने अपीलांत द्वारा नामान्तरकरण संख्या 1331 दिनांक 20.08.2005 के विरुद्ध प्रस्तुत प्रथम अपील को मियाद बाहर होने से प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम एवं गुणावगुण पर अपील खारिज की है। अपीलांत का मुख्य कथन है कि अधी०न्याया० (उपखण्ड अधिकारी, माण्डल) अपीलांत अपील को प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम के आधार पर खारिज कर देते हैं तो उन्हें गुणावगुण पर निर्णय पारित नहीं किया जाना चाहिये। अपील में अपीलांत अभिभाषक द्वारा माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आर०एल०डब्ल्यू० 1997 (1) पेज 227 पर एस०बी० सिविल रिट पीटिशन नं० 1355/1988 उनवान अब्दुल मजिद बनाम सरकार व अन्य में पारित निर्णय दिनांक 08.01.1997 न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किया गया है। इस न्यायिक दृष्टांत में माननीय उच्च न्यायालय ने निम्नांकित न्यायिक सिद्धान्त प्रतिपादित किया है :- “परिसीमा अधिनियम - अपील प्रस्तुत करने में दो माह का विलंब - परिसीमा के और गुणा व गुण के आधार पर अपीली

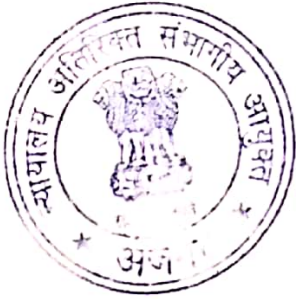
अतिरिक्त संचारीय आयुक्त
अजमेर

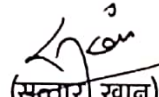
अधिकरण ने अपील को निर्णित कर खारिज कर दिया - यह निर्णय राजस्व मंडल ने यथावत रखा - अभिनिर्धारित - यदि अपीली अधिकरण को संतुष्टि नहीं हुई तो परिसीमा के बिन्दु पर अपील खारिज कर देनी थी - यदि गुणा व गुण पर अपील का निर्णय देना था तो विलम्ब का शमन करना था और फिर गुणा व गुण पर निर्णय देना था - राजस्व मण्डल का आदेश निरस्त किया।“

- 9- उक्त न्यायिक दृष्टांत से हम सहमत हैं। अतः अपील अपीलांत आंशिक स्वीकार की जाकर अधीन्याया (उपखण्ड अधिकारी, माण्डल) का निर्णय दिनांक 22.12.2009 अपास्त किया जाकर प्रकरण अधीन्याया (उपखण्ड अधिकारी, माण्डल) इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वे उभयपक्षकारान को पुनः सुनवाई एवं साक्ष्य का अवसर दिया जाकर पहले प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम का निर्णय करें एवं प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम स्वीकार किये जाने की स्थिति में तत्पश्चात गुणावगुण पर निर्णय पारित करें।

-:क्रियात्मक आदेश:-

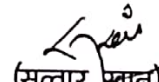
अतः उपरोक्त विवेचन अनुसार अपील संख्या 9ए/2010 (2010/00011) बउनवानी रोशनअली व अन्य बनाम राजू व अन्य को आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है तथा अधीन्याया का प्रकरण संख्या 15/2005 बउनवान में पारित निर्णय दिनांक 22.12.2009 को अपास्त किया जाकर निर्णय में दिये गये आब्जर्वेशनस् के क्रम में प्रतिप्रेषित किया जाकर निर्देश दिये जाते हैं कि उभयपक्षकारान को पुनः सुनवाई एवं साक्ष्य का अवसर दिया जाकर पहले प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम का निर्णय करें एवं प्रार्थना पत्र धारा 5 मियाद अधिनियम स्वीकार किये जाने की स्थिति में तत्पश्चात गुणावगुण पर निर्णय पारित करें। पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो ।




(सत्तार खान)

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त,
अजमेर

आदेश आज दिनांक 26.11.2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर सरे इजलास सुनाया गया।


(सत्तार खान)

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त,
अजमेर

